

पोरजा, बगाटा और कौंडा डोरा जनजातियाँ

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में आंध्र प्रदेश में **जनजातीय समुदायों** की दुर्दशा, जिन्होंने **लोअर सलिरू हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (LSP)** के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाई थी, ने ध्यान आकर्षित किया है।

- **पोरजा, बगाटा और कौंडा डोरा जनजात** के लोगों ने वर्ष 1970 के दशक में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, इसके बावजूद वशिखापत्तनम के आस-पास स्थिति उनके द्वारा बसाए गए गाँवों में उन्हें वदियुत और स्वच्छ जल की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है।

पोरजा, बगाटा और कौंडा डोरा जनजातियों के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

■ पोरजा जनजात:

- आंध्र प्रदेश के वशिखापत्तनम क्षेत्र में रहने वाली **पोरजा जनजात** (उप-समूह: **बॉंडो पोरजा, खोंड पोरजा और परंगी (Parangi) पोरजा**) की जनसंख्या लगभग **16,479 (जनगणना, 1991)** है।
 - पोरजा लोग कृषि योग्य भूमि की तलाश में लगभग 300 वर्ष पूर्व ओडिशा से पलायन कर गए थे। ऐतिहासिक रूप से उन्हें **पालकी ढोने के अतिरिक्त अन्य छोटे-मोटे कार्यों के लिये नयिकृत किया जाता था।**
 - "पोरजा" शब्द उड़िया भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है "राजा का बेटा", जो **जयपुर शासकों (Jeypore Rulers) द्वारा उनके ऐतिहासिक रोजगार को प्रदर्शित करता है।**
 - वे पहाड़ी इलाकों में रहते हैं और **स्थानांतरित कृषि करते हैं, जिसे स्थानीय रूप से पोडू के रूप में जाना जाता है।**
 - पोरजा लोग **पट्टि वंश (Patrilineal Descent)** के साथ **पट्टिसत्तात्मक प्रणाली (Patriarchal System)** का भी पालन करते हैं। संपत्ति वरिष्ठ और वंशानुगत संबंधी उत्तराधिकार में इस प्रणाली का पालन किया जाता है, जिसमें सबसे बड़े बेटे को अतिरिक्त हिससा मिलाता है।
 - उनकी सामाजिक प्रथाओं में **अंतर-गोत्रीय (Cross-Cousin) विवाह**, जिसमें **विवाह पूर्व एवं विवाह के बाद के संबंधों** को स्वीकार करना शामिल है। **टैटू बनवाना** उनकी **सामाजिक-धार्मिक संस्कृति** का अभिन्न अंग है।
 - पोरजा **अंतर-विवाही उप-समूह (Endogamous Sub-Group)** हैं, जिनमें से प्रत्येक के अपने अलग-अलग रीति-रिवाज, भाषाएँ और खान-पान संबंधी आदतें हैं। वशिखापत्तनम में जयादातर पोरजा **परंगी पोरजा समूह** से संबंधित हैं।

- **बगाटा जनजात:** बगाटा भारत की एक आदिविासी जनजात है, जो मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश और ओडिशा राज्यों में नविस करती है। उन्हें **बगाथा, बागट, बागोडी, बोगद या भक्ता** के नाम से भी जाना जाता है।

- उनके विवाह प्रथाओं के अनुसार वे **वंश-परंपरा (अपने कबीले से बाहर विवाह करना)** का सख्ती से पालन करते हैं। विवाह **समझौता और भागकर (Elopement)** होता है। उनमें **तलाक और पुनर्विवाह की अनुमति है।**
- बागथा का मुख्य भोजन वभिन्न कसिमों के **कदन्न (Millet)** हुआ करते थे, जिसका स्थान अब चावल ने ले लिया है।
- बागथा अलौकिकता, **जादू-टोना, बुरी नजर, टोना-टोटका**, भाग्य, भूत-प्रेत आदि में विश्वास करते हैं। वे कुलदेवता और कुलों के रूप में प्रकृति की पूजा करते हैं।
- पारंपरिक रूप से आदिविासी मुखिया अंतर-पारिवारिक और अंतर-आदिविासी विवाहों को सुलझाता है, जबकि ग्राम प्रधान अंतर-आदिविासी मुद्दों, पारंपरिक रीति-रिवाजों के झगड़ों को सुलझाता है।

- **कौंडा डोरा जनजात:** ये **ओडिशा की अनुसूचित जनजात** हैं, जो दक्षिण ओडिशा और आंध्र प्रदेश में वसित पूर्वी घाट के कौंडा कंबेरू पर्वत शृंखला (Kamberu Range) में नविस करती है।

- 'कौंडाडोरा' नाम का अर्थ है 'पहाड़ी के स्वामी', जो 'कौंडा' (पहाड़ी) और 'डोरा' (स्वामी) से लिया गया है। 'कौंडा कपू', 'ओजा', 'पांडव राजू' और 'पांडव डोरा' के नाम से भी जाने जाने वाले ये लोग स्वयं को पौराणिक पांडवों का वंशज मानते हैं।
- उनकी मूल भाषा, कुबी/कौंडा, को बड़े पैमाने पर तेलुगु और उड़िया के मशिरण से बदल दिया गया है।
 - सामान्यतः कौंडा डोरा बस्तियाँ **सजातीय (Homogeneous) प्रकार** की होती हैं। ये बहुजातीय गाँवों में सामाजिक दूरी और जातीय पहचान बनाए रखने के लिये अलग आश्रय स्थलों में नविस करते हैं।
 - उनके समाज में **बहुविवाह और बाल विवाह** नषिदिध नहीं हैं, **वयस्क विवाह और एक विवाह प्रथा** आमतौर पर प्रचलित है।
 - ये **अंतर-गोत्रीय (Cross-Cousin) विवाह** को प्राथमिकता देते हैं, जबकि **समगोत्रीय (Parallel Cousin) विवाह सख्त वर्जित है।**
 - उनके पास एक पारंपरिक ग्राम परषिद (कुलम पंचायत) है, जिसका नेतृत्व कुला पेडा (Kula Peda) करता है, जिसे पल्लिपुडामारी

(Pillipudamari) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

- उनके पास एक अंतर-ग्राम समुदाय परिषद् भी है, ये परिषदें अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में अपने प्रथागत मामलों को संभालती हैं।
- यह जनजाति अंतरविविही है, जो दो मुख्य समूहों में विभाजित है: **पेड्डा कोंडुलु (Pedda Kondulu)** और **चाइना कोंडुलु (China Kondulu)**, जिनमें से प्रत्येक में कई कबीले हैं। हालाँकि आधुनिकीकरण और सांस्कृतिक संपर्क उनकी पारंपरिक जीवन शैली को परिवर्तित कर रहे हैं।

नोट: लोअर सलिरू हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, **सलिरू नदी** पर स्थित 460 मेगावाट की जल वदियुत परियोजना है, यह आंध्र प्रदेश के वशिखापत्तनम के अधिकृत क्षेत्र में सघन वनों के बीच स्थित है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

????????????

प्रश्न. अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के अधीन व्यक्तिगत या सामुदायिक वन अधिकारों अथवा दोनों की प्रकृति एवं वसितार के निर्धारण की प्रक्रिया को प्रारंभ करने के लिये कौन प्राधिकारी होगा?(2013)

- (a) राज्य वन विभाग
- (b) जिला कलेक्टर/उपायुक्त
- (c) तहसीलदार/खंड विकास अधिकारी/मंडल राजस्व अधिकारी
- (d) ग्राम सभा

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/porja,-bagata,-and-konda-dora-tribes>

